DATE :- 17-11-2026
RAJASTHAN PATRIKA, PAGE-02, SURAT

सूरत मेट्रो का बढ़ेगा दायरा

जीएमआरसी ने यूटिलिटी शिफ्टिंग और डायवर्जन के लिए जारी किया 4.09 करोड़ का टेंडर

अंतरोली तक पहुंचेगी रफ्तार, 4.4 किमी रूट से हटाई जाएंगी बाधाएं

पिलर और स्टेशन निर्माण से पहले साफ होगा रास्ता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. सूरत में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को बुलेट ट्रेन (एचएसआर) स्टेशन से जोडने की दिशा में काम अब धरातल पर उतरता नजर आ रहा है। सरोली से सूरत हाईस्पीड रेल स्टेशन (अंतरोली) तक प्रस्तावित 4.4 किलोमीटर लंबे मेट्रो विस्तार के रास्ते में आने वाली भूमिगत और अन्य उपयोगिता सेवाओं (यूटिलिटी) को हटाने व स्थानांतरित करने की गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) ने 4.09 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है। इस कदम का उद्देश्य मेट्रो के पिलर और स्टेशन निर्माण से पहले पूरे रूट को हर तरह की तकनीकी बाधाओं से मुक्त करना है। प्रस्तावित मेट्रो विस्तार के तहत इस 4.4 किलोमीटर के हिस्से में एक भव्य एलिवेटेड वायाडक्ट के साथ तीन अत्याधुनिक मेट्रो स्टेशनों का निर्माण किया जाना है। हालांकि, इस निर्माण क्षेत्र के दायरे में पानी की पाइपलाइन, ड्रेनेज, सीवरेज, बिजली और टेलीकॉम नेटवर्क जैसी जरूरी भूमिगत सेवाएं आ रही हैं, जो निर्माण कार्य में बड़ी बाधा बन सकती हैं।



फाइल फोटो

इन अहम सेवाओं की होगी पहचान और शिफ्टिंग

जीएमआरसी द्वारा जारी टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चिन्हित एजेंसी इन तमाम बाधाओं को हटाएगी या वैकल्पिक मार्ग तैयार करेगी। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य शामिल हैं।

पानी की पाइपलाइन : मेट्रो पिलर और स्टेशनों के निर्माण क्षेत्र में आने वाली पेयजल पाइपलाइनों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करना।

ड्रेनेज और सीवेज नेटवर्क : बारिश के पानी की निकासी और भूमिगत सीवरेज लाइनों का डायवर्जन।

बिजली एवं टेलीकॉम नेटवर्क : क्षेत्र की बिजली केबलों, इंटरनेट व टेलीफोन संचार लाइनों को अन्यत्र स्थानांतरित करना।

शहरवासियों को नहीं होगी असुविधा

अधिकारियों के अनुसार, निर्माणकार्य शुरू होने से पहले इन सभी सुविधाओं को व्यवस्थित रूप से शिफ्ट करने से प्रोजेक्ट की रफ्तार तो तेज होगी ही, साथ ही आम नागरिकों को पानी, बिजली या इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाओं में किसी प्रकार की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस पूरी प्रक्रिया के बाद सूरतवासियों के लिए अंतरोली तक मेट्रो सफर का सपना जल्द साकार होने की उम्मीद है।